	प्रश्न	आपत्ति	आपत्तिकर्ता छात्र	निस्तारण
1-	'मातुरेव पिबेत्स्तन्यं तद्धबलं देहबद्धये' यह किस आचार्य का कथन है। (क) काश्यप (ख) चरक (ग) चक्रदत्त (घ) योगरत्नाकर सही उत्तर – (घ)	प्रस्तुत श्लोक अ0हृ0 उत्तर तन्त्र 1/15 में वर्णित है। जबकि योग रत्नाकर में ऐसा कोई वर्णन नहीं है। परन्तु इस प्रश्न के विकल्पों में वाग्भट नहीं है।	विनय कुमार वर्मा	उक्त संदर्भ अ0ह0 1/15 का है जो सही है। विकल्पों में वाग्भट विकल्प नही है। अतः आपत्ति स्वीकार करने योग्य है। प्रश्न निरस्त करने योग्य है।
2-	नवजात शिशु परिचर्या के अन्तर्गत उल्वापरिमार्जन का वर्णन किस आचार्य द्वारा किया गया है। (क) चरक (ख) सुश्रुत (ग) काश्यप (घ) वाग्भट सही उत्तर – (घ)	सुश्रुत शा0 10/14 में 'जातस्थौल्यमपनीय, मुखं च सैंधव सर्पिसा .... में उल्वापरिमार्जन बताया गया है।	1. जयदेव गेहीजा, 140034 2. अवनीश पाण्डेय, 140227 3. कपिल, 140035 4. विनय कुमार वर्मा 5. जयदीप कुमार वर्मा140092 6. कीर्ति सिंह,140210 7. सोनी 140296 व अन्य	उल्वापरिर्माजन शब्द का प्रयोग आचार्य वाग्भट द्वारा किये गये वर्णन के अधिक सन्निकट है। आचार्य सुश्रुत ने उल्वमपनीय शब्द का प्रयोग किया है। अतः आपत्ति स्वीकार करने योग्य नहीं है।
3-	किस प्रकार के भगन्दर में व्रण चौड़ा नहीं करना चाहिए। (क) उष्ट्रग्रीव (ख) शम्बूकावर्त (ग) परिस्रावी (घ) शतपोनक सही उत्तर – (ख)	प्रश्न का उत्तर शम्बकावर्त को सही माना गया है। परन्तु शतपोनक इसका सही उत्तर है।	1.जयदेव गेहीजा 140034 2. सुभाष चन्द्र 140116 3. अवनीश पाण्डेय 140227 4. कपिल 140035 5. सोमनाथ 140289 6. कीर्ति सिंह 140210 7. सुचेता वर्मा व अन्य	सही उत्तर शतपोनक है (सु0चि0 8/8) अतः आपत्ति उचित एवं स्वीकार करने योग्य है। अतः शतपोनक उत्तर पर ही अंक प्रदान किया जाय।

4-	Restitution के समय जन्म होने वाले शिशु का सिर घूमता हुआ दिखाई देता है। (क) Engagement के समय गर्दन में Twist आने के कारण (ख) Flexion के समय गर्दन में Twist आने के कारण (ग) Internal Rotation के समय शिशु की गर्दन में twist आने के कारण (घ) उपरोक्त में से कोई नही सही उत्तर – (ग)	आपत्ति है कि यह Internal Rotation के समय शिशु की गर्दन में untwisting के कारण होता है। अतः प्रश्न गलत है।	जयदेव गेहीजा	Restitution के समय जन्म होने वाले शिशु का सिर घूमता हुआ दिखाई देता है क्योंकि internal rotation के समय शिशु की गर्दन में Twist आ जाता है। यह उत्तर सही है। अतः आपत्ति स्वीकार करने योग्य नहीं है।
5-	किस विषाक्तता में नील वर्णीय रेखा (Blue line) दन्त मसूड़ों पर दिखाई देती ह। (क) ताम्र विषाक्तता (ख) सीसा विषाक्तता (ग) पारद विषाक्तता (घ) हरताल विषाक्तता सही उत्तर – (ख)	आपत्ति है कि Blue line दन्त मसूड़ों पर कापर, बिस्म्थ, आयरन, सिल्वर, मर्करी प्वाइजनिंग में भी दिखाई देती है। सही उत्तर सीसा विषाक्तता (ख) दिया गया है जबकि यह ताम्र एवं पारद में भी होता है।	सुदर्शन बिन्द	नील वर्णीय रेखा (Blue line) दन्त मसूड़ों पर विशेष रूप से सीसा विषाक्तता में दिखाई देती है। अतः आपत्ति स्वीकार करने योग्य नहीं है।
6-	स्नेहपान निषेध है। (क) तत्काल प्रसूता को (ख) अकाल प्रसूता को (ग) विलम्बित प्रसूता को (घ) उपरोक्त सभी उत्तर सही है। सही उत्तर – (ख)	आपत्ति :– तत्काल प्रसूता (क) संदर्भ अ0हृ0 16/7 सही होना चाहिए।	सुदर्शन बिन्द सोनी	आपत्तिकर्ता ने अ0हृ0 16/7 का संदर्भ देते हुये (क) विकल्प को सही बताया है। जबकि उक्त संदर्भ में स्पष्ट रूप से अपप्रसूता का उल्लेख है। जो अकाल प्रसूता के अन्तर्गत आती है। अतः आपत्ति स्वीकार करने योग्य नहीं है।
7-	चरक सूत्र स्थान अध्याय–2 में विरेचन के लिए कितने औषधि द्रव्यों का उल्लेख किया गया है। (क) 15 (ख) 17 (ग) 13 (घ) 16 सही उत्तर – (ख)	आपत्ति है कि सही उत्तर 15 होना चाहिए।	जयदीप कुमार वर्मा	संदर्भ (च0सू0 2/9, 10) में त्रिफला का उल्लेख है जिसके अन्तर्गत तोन द्रव्य आते हैं अतः (ख) 17 उत्तर सही है। आपत्ति स्वीकार करने योग्य नहीं है।

8-	स्त्री श्रोणि का प्रमाण होता है– (क) उर के प्रमाण की (ख) अष्टादशागुल (ग) चतुर्विशत्यगुलमुरोविस्तारं (घ) उपरोक्त सभी उत्तर सही है। सही उत्तर – (ग)	विकल्प (क) भी सही उत्तर है।	जयदीप कुमार वर्मा अर्चना कुशवाहा जयदेव गेहीजा	स्त्री श्रोणि का प्रमाण सुश्रुत संहिता के सूत्र स्थान अध्याय 35 के श्लोक 14 के अनुसार ''पुरूषोरः प्रमाण विस्तीर्णा स्त्री श्रोणिः। चतुर्विशत्यंगुलमुरोविस्तारयुक्तं है (सु0सू0 35/14 की चक्रपाणि टीका)। अतः स्त्री श्रोणि का प्रमाण पुरूष के उर के प्रमाण के समान अर्थात चतुर्विशत्यंगुल होता है एवं पुरूष की श्रोणि का प्रमाण स्त्री के उर के प्रमाण अर्थात अष्टादशागुंल होता है। प्रश्न के विकल्प (क) में उर के प्रमाण में स्पष्ट नहीं है कि पुरूष का उर है अथवा स्त्री का उर। दोनों के उर के प्रमाण अलग–2 होते हैं। अतः उपरोक्त प्रश्न में एक मात्र सही उत्तर (ग) है। अतः आपत्ति स्वोकार करने योग्य नहीं है।
9-	रोमबर्ग साइन एक टेस्ट है जो निम्न में से किसके निर्धारण के लिए प्रयुक्त होता है। (क) सेरीबेलर फंक्शन (ख) स्थिति के ज्ञान के खत्म होने पर (ग) मांसपेशी शक्ति (घ) मांसपेशी टोन सही उत्तर – (ख)	अधिकांश छात्रों ने आपत्ति दर्ज करते हुये उत्तर (क) सेरीबेलर फक्शन को सही बताया है।	1. अवनीश पाण्डेय रो0नं0 140227 2. कीर्ति सिंह, 140210 3. सुचेता वर्मा, 140023 4. विनय कुमार वर्मा व अन्य	यह टेस्ट सेरीबेलर फंक्शन के लिए नहीं है। यह टेस्ट विशेष रूप से स्थिति ज्ञान (Position) के लिए किया जाता है। अतः आपत्ति स्वीकार करने योग्य नहीं है।

10-	निम्न में से कौन सी एक अवस्था मेटाबोलिक एसिडोडिस उत्पन्न करती है। (क) वमन (ख) अतिसार (ग) प्रमेह (घ) अधिक एल्डोस्टीरान सही उत्तर – (घ)	अधिकांश छात्रों ने आपत्ति दर्ज करते हुये (ग) उत्तर (प्रमेह) को सही बताया है। कुछ अन्य छात्रों ने (ख) उत्तर (अतिसार) को सही बताया है।	1. सोमनाथ रो0न0 140289 2. जयदेव गेहीजा, 140034 3. सुभाष चन्द्र, 140116 4. सुदर्शन बिन्द 5. आशीष कुमार वर्मा,140310 6. राघवेन्द्र मिश्रा व अन्य	त्रुटिवश प्रश्न गलत टंकित हो गया है। मूल प्रश्न ''कौन सी एक अवस्था मेटाबोलिक एमीडोसिस उत्पन्न नहीं करती है।'' (क), (ख) (ग) तीनों विकल्पों में यह स्थिति हो सकती है। अतः आपत्ति स्वीकार्य है। प्रश्न निरस्त करने योग्य है।
11-	शारंगधरमतेन तिलकल्क का प्रयोग किस व्याधि में किया जाता है। (क) रक्तार्श (ख) शुष्कार्श (ग) संग्रहणी (घ) कृमि रोग सही उत्तर – (क)	आपत्ति–कृमि रोग उत्तर सही होना चाहिए।	आशीष कुमार वर्मा राघवेन्द्र मिश्रा निधि गर्ग व अन्य	रक्तार्श (क) सही उत्तर है (शा0पूर्व 6/27)। आपत्ति स्वीकार करने योग्य नहीं है।
12-	मणिप्रमा संस्कृत टीका किस ग्रन्थ पर लिखी गई है। (क) रस चिन्तामणि (ख) रसेन्द्र चिन्तामणि (ग) रसेन्द्र चूडामणि (घ) रसरत्न समुच्चय सही उत्तर – (ख)	आपत्ति है कि मणिप्रमा नाम की टीका नहीं है।	दाताराम	मूल प्रश्न में मणिप्रभा संस्कृत टीका का उल्लेख था जो कि टंकणत्रुटि में मणिप्रमा हो गया। मणिप्रमा नाम की कोई टीका उपलब्ध नहीं है। अतः आपत्ति स्वोकार्य है। प्रश्न निरस्त करने योग्य है।
13-	IOP का Central control किससे होता है। (क) Thalamus (ख) Hypothalamus (ग) Occipital cortex (घ) Cilliary process सही उत्तर – (ख)	अभ्यर्थियों की आपत्ति है कि (घ) Cilliary process सही उत्तर होना चाहिए। संदर्भ – ए0के0 खुराना पेज 220 संदर्भ साक्ष्य संलग्न नहीं है।	सोमनाथ रोल नं0.140289 आशीष कुमार वर्मा राघवेन्द्र मिश्रा निधि गर्ग अमित कुमार अविनाश कुमार	IOP का Central control Hypothalamus से होता है जबकि Cilliary process से local control होता है। इसलिए आपत्ति स्वीकार करने योग्य नहीं है।

14-	शिरोशूलादिवज्र रस का अनुपान क्या है। (क) अजादुग्ध (ख) शहद (ग) घृत (घ) शर्करा सही उत्तर – (क)	आपत्ति (क) व (ख) दोनों उत्तर सही हैं।	सोनल चौधरी, 140064	भैषज्य रत्नावली शिरोरोग चिकित्सा 65/58 के अनुसार शिरःशूलादिवज्ररस के अनुपान में बकरी का दूध एवं शहद दोनों का उल्लेख है। अतः आपत्ति स्वीकार करने योग्य है। उपरोक्त दोनों उत्तर में अभ्यर्थियों को एक अंक दिया जाये।
15-	अन्तर्वायु के द्वारा बीज विभक्त होने पर गर्भाशय में उत्पन्न हुये दो जीव कहलाते हैं। (क) यम (ख) युग्म (ग) गर्भ (घ) कोई नहीं सही उत्तर – (क)	सु0शा0–34/32 में युग्म शब्द का प्रयोग है। युग्म तथा यमौ शब्दों का एक ही अर्थ होता है।	दाताराम अर्चना कुशवाहा	सु0शा0 2/40 में बीजऽन्तर्वायुना भिन्ने द्वौ जीवो कुक्षिभागतो यमावित्यभिधीयते में स्पष्ट रूप से यम शब्द का प्रयोग किया गया है। अतः आपत्ति स्वीकार करने योग्य नहीं है।

सर्वसम्मति से निम्नलिखित 03 प्रश्नों को निरस्त किया गया ।

प्रश्न क्र0सं0–1 'मातुरेव पिबेत्स्तन्यं तद्धबलं देहबद्धये' यह किस आचार्य का कथन है। (दिये गये उत्तरों में कोई उत्तर सही न होने के कारण)

प्रश्न सं0. सेट 15......में 29 पर, सेट 16......में 61 पर, सेट.....17 में 43 पर, सेट 18.....में 47 पर

प्रश्न क्र0सं0–10 निम्न में से कौन सी एक अवस्था मेटाबोलिक एसिडोडिस उत्पन्न करती है। (टंकण त्रुटि के कारण)

प्रश्न सं0. सेट 15......में 6 पर, सेट 16......में 22 पर, सेट.....17 में 34 पर, सेट 18.....में 60 पर

प्रश्न क्र0सं0–12 मणिप्रमा संस्कृत टीका किस ग्रन्थ पर लिखी गई है। (टंकण त्रुटि के कारण)

प्रश्न सं0. सेट 15......में 40 पर, सेट 16......में 8 पर, सेट.....17 में 54 पर, सेट 18.....में 4 पर

प्रश्न क्र0सं0–03 किस प्रकार के भगन्दर में व्रण चौड़ा नहीं करना चाहिए, का सही उत्तर शतपानक स्वीकार किया गया है।

प्रश्न क्र0सं0–14 शिरोशूलादिवज्र रस का अनुपान क्या है, में अजादुग्ध एवं शहद दोनों सही उत्तरों को स्वीकार किया गया है।

अन्य आपत्तियां स्वीकार नहीं की गयी हैं।